भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 956

दिनांक 08 दिसंबर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मातृ मृत्यु दर

956. श्री बी.वाई. राघवेन्द्र:

श्री पल्लब लोचन दास:

श्री जगदम्बिका पाल:

श्री राजेश वर्मा:

श्री सुदर्शन भगत:

श्री कृपानाथ मल्लाह:

श्री राजेन्द्र अग्रवाल:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वर्ष 2014-16 से 2018-20 तक नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) से मातृ मृत्यु दर में कोई उल्लेखनीय कमी आई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) के लिए क्या वैश्विक और राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं;

(ग) उन राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों का ब्यौरा क्या है जहां एसआरएस 2017-2019 की तुलना में एसआरएस 2018-20 में मृत्यु दर में सर्वाधिक प्रतिशत की गिरावट आई है; और

(घ) क्या सरकार इस बात को लेकर आश्वस्त है कि भारत वर्ष 2030 तक वैश्विक मातृ मृत्यु दर को प्रति 1,00,000 जीवित जन्मे शिशुओं पर 70 से कम करने के लिए सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ भारती प्रविण पवार)

(क से घ) भारत के महापंजीयक द्वारा जारी नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) के अनुसार, भारत में मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) 2014-2016 में प्रति लाख जीवित जन्म पर 130 से 33 अंक घटकर 2018-20 में प्रति लाख जीवित जन्म पर 97 हो गया है।

भारत ने वर्ष 2020 तक प्रति लाख जीवित जन्म पर 100 से कम एमएमआर का राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यनीति (एनएचपी) 2017 का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है और वर्ष 2030 तक प्रति लाख जीवित जन्म पर 70 से कम

एमएमआर के वैश्विक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सही मार्ग पर अग्रसर है।

जिन राज्यों ने एसआरएस '2017-2019 से एसआरएस 2018-20 में मातृ मृत्यु दर में गिरावट की उच्चतम प्रतिशतता दर्शाई है, वे इस प्रकार हैं:

राज्यों	एसआरएस 2017-19	एसआरएस 2018-20	एमएमआर में गिरावट की %
केरल	30	19	36.7%
तेलंगाना	56	43	23.2%
आंध्र प्रदेश	58	45	22.4%
राजस्थान	141	113	19.9%
गुजरात	70	57	18.6%
कर्नाटक	83	69	16.9%
छत्तीसगढ़	160	137	14.4%

*****